THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI AJIT PANJA): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) In view of the limited broadcasting time available and the fact that the registration figures in respect of each elective subject offered in the Open University courses was rather low, it has been suggested that:—

(i) allotment of more broadcasting time could be considered if the registration figures reach 10,000 and more in a particular subject;

(ii) the University could drop the broadcasting of lessons in subjects where registration was low and utilise the time chunks released for under-graduate courses.

Bills and Regulations adopted by Delhi Administration pending with Government for approval

3081. SHRI J. P. GOYAL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the details in respect of Bills and Resolutions adopted by the Delhi Administration during last four years which are pending with the Central Government for approval;

(b) since when each Bill/Resolution is pending with the Central Government; and

(c) the reasons for delay in their approval and by which time the necessary approval is likely to be accorded?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI): (a) to (c) The information is being collected and will be laid down on the Table of the House.

Cultural reunion of Gorkhas in London

3082. SHR J. P. GOYAL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state·

(a) whether it has come to the notice of Government that in the name of cultural reunion of Gorkhas, moves are underway to host a conference of 'Gorkhas' in London, on the lines adopted by the so called 'Khalistanis' and 'Kashmir Liberationists' during early stages of their movement;

(b) if so, the reaction of Government thereto; and

(c) whether the matter has been raised with the British Government and if so, with what results?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) No such proposed conference has come to the notice of Government so far.

(b) and (c) The questions do not arise.

Para-military units set up under internal security

3083. SHRI F. M. KHAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the names and number of new para-military units sangathans/organisations which have been set up in the Internal Security Department;

(b) the total expenditure spent during the last two years, year-wise; and

(c) the total number of recruitment made in each unit|organisation|Sangathan during the same period?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM: (a) A para-military Organisation captioned "National Security Guard" has been set up in the Internal Security Department under the Ministry of Home Affairs.

(b)

	Revenue	*Capital*
1984-1985	Rs. 31,99,721	Rs. 9,06,00,000
1985-86	Rs. 11,64,94,489	Rs. 3,99,99,137

(c) It has been decided that for the present the National Security Guard will be composed of only deputationists from Army and other Central Police Organisations etc. As such, no direct recruitment has been made for the Force.

प्रति व्यक्ति प्रतिदिन औसत आय

3084. श्री राम अवधेश सिंह : क्या

प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रति व्यक्ति प्रतिदिन औसत आय कितनी है ;

(ख) गरीबी की रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे लोगों की संख्या कितनी है और ऐसे कितने लोग हैं जिनकी प्रतिदिन की आय 5 लाख रुपये से अधिक है ; और

(ग) इस असंतुलन, यदि कोई हो को कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या ठोस उपाय किये जा रहे हैं ?

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन राष्ट्रीय आय सांख्यिकी एकत्र करता है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ वार्षिक प्रति व्यक्ति आय शामिल है, उपलब्ध नवीनतम आंकड़े वर्ष 1984-85 (त्वरित अनुमान) के लिए हैं । केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा दिए गये आंकड़े वार्षिक प्रति व्यक्ति आय पर आधारित है, प्रति व्यक्ति प्रति दिन औसत आय वार्षिक प्रति व्यक्ति आय के उस वर्ष विशेष दिनों की संख्या से भाग करके निकाली जाती है । तदनुसार, चालू और स्थिर (1970-71) कीमतों पर छठी योजना के विभिन्न वर्षों और आधार वर्ष के दौरान अखिल भारतीय वार्षिक प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति आय प्रतिदिन निम्न प्रकार है :—

(रु० में)

वर्ष	चालू कीमतों पर		स्थिर कीमतों पर (1970-71)[1]	
	वार्षिक प्रति व्यक्ति आय	प्रति व्यक्ति आय प्रतिदिन	वार्षिक प्रति व्यक्ति आय	प्रति व्यक्ति आय प्रतिदिन
1979-80 . . .	1336	3.65	665	1.82
1980-81 . . .	1558	4.27	700	1.92
1981-82 . . .	1739	4.76	720	1.97
1982-83 . . .	1882	5.16	721	1.98
1983-84 . . .	2180	5.96	761	2.08
1984-85 (क्यू) . .	2344	6.42	772	2.12

क्यू-त्वरित अनुमान

(ख) योजना आयोग द्वारा गरीबी की रेखा से नीचे रह रहे लोगों की संख्या के अनुमान, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन द्वारा किए गए पंच-वार्षिक पारिवारिक उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण पर आधारित आंकड़ों का प्रयोग करके तैयार किए जाते हैं । राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के पारिवारिक उपभोक्ता व्यय से संबंधित नवीनतम आंकड़े वर्ष 1983 (राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण का 38वां दौर) के लिए उपलब्ध हैं और इन सर्वेक्षण आंकड़ों का प्रयोग करने से वर्ष 1984-85 में (छठी योजना के अंतिम वर्ष में) गरीबी की रेखा से नीचे रह रहे लोगों की संख्या 272.7 मिलियन (ग्रामीण क्षेत्रों में 222.2 मिलियन और शहरी क्षेत्रों में 50.5 मिलियन) होने का अनुमान लगाया गया है ।

5 लाख रु० प्रतिदिन से अधिक आय वाले व्यक्तियों की संख्या के संबंध में, आय कर आंकड़ों से पता चलता है कि इतनी आय वाला कोई भी कर-दाता नहीं है ।

(ग) सभी योजनाओं का मूल उद्देश्य गरीबी और असमानता कम करना रहा है । इस उद्देश्य को प्राप्त करने के